दैनिक जागरण

जागरण सिटी

पटना, 9 मई 2006

पटना में पैक्स कार्यक्रम के तहत तीन दिवसीय पियर लर्निंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनजागरण की इस पूरी प्रक्रिया को सांस्कृतिक संदर्भों से भी जोड़ने का प्रयास किया गया।

दलितो में जन जागरण की दस्तक

महिलाओं, दलितों-वंचितों को जागरूक कर लोकतांत्रिक प्रणाली से जोड़ने की प्रक्रिया अब मुहिम का रूप ले चुकी है। इसी के आलोक में विगत दिन पटना में पैक्स कार्यक्रम के तहत तीन दिवसीय पियर लर्निंग कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जनजागरण की इस पूरी प्रक्रिया को सांस्कृतिक संदर्भों से भी जोड़ने का प्रयास किया गया। इसी कड़ी में कम्युनिकेटर्स फार डेवलपमेंट के समीर प्रसाद द्वारा बनायी गयी डाक्यूमेंट्री फिल्म भी दिखायी गयी। यह फिल्म पैक्स कार्यक्रम द्वारा चलाये जा रहे जागरूकता अभियान पर आधारित है। कार्यक्रम का उद्घाटन पैक्स के राष्ट्रीय सलाहकार समिति के सदस्य केसी मल्होत्रा ने किया। इस अवसर पर डीएफआईडी (इंग्लैंड) के प्रतिनिधि जान गान्ट मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। जिन लोगों ने कार्यक्रम को संबोधित किया उनमें राज्य के कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह, राज्य निर्वाचन आयुक्त डीपी महेश्वरी, पटना उच्च न्यायालय की न्यायाधीश मृदुला मिश्रा व तेजनारायण सिंह प्रमुख थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि जब तक जातिवाद कमजोर नहीं होगा विकास की कल्पना भी बेमानी है। मृदुला मिश्रा ने कहा कि हम विकास के दावे तो बहुत करते हैं, लेकिन आज भी गांवों की स्थिति ज्यों की त्यों है। गांवों की तरफ ध्यान दिये बिना ही इंडिया शाइनिंग की बात हो रही है। डीपी महेश्वरी ने कहा कि पंचायत चुनाव कराना कठिन है और इसकी लोकसभा तथा विधानसभा चुनावों से तुलना नहीं की जा सकती। सभी संस्थाओं को यह प्रयास करना होगा कि मतदाता अच्छे उम्मीदवार को वोट दें। बिहार के पैक्स प्रतिनिधि राकेश झा ने पैक्स की गतिविधियों पर विस्तार से प्रकाश डाला। वहीं पैक्स से जुड़े 88 संस्थाओं के प्रमुखों ने बिहार के 21 जिलों के 500 से ज्यादा पंचायतों व 2500 गांवों में पैक्स की गतिविधियों का ब्योरा प्रस्तुत किया। धन्यवाद ज्ञापन अरविन्द सिंह ने किया।